क्या है डीजीजीआई द्वारा पकड़ी गयी मोंटेज पैकेजिंग सेल्स प्रा.लि की करोड़ो रुपयों की जीएसटी चोरी मे बिकाजी का कनैक्शन?

डीजीजीआई की जयपुर इकाई मे दर्ज प्रकरण संख्या DGGI/INV/Misc/433/2021-Gr-H-0/0 ADG-DGGI-ZU-Jaipur का है मामला!!!

मामले मे कंपनी के डायरेक्टर श्री धनंजय सिंह दिनांक 24/10/2021 से केंद्रीय कारागार जयपुर मे बंद!!!

देश के लिए... अव्यवस्था के खिलाफ...

JAWAB DO SARKAR

www.jawabdosarkar.com

(A Digital Media Initiative to promote Accountability)

वॉल्यूम न.– 2021/kdgl/11 E-Newsletter, Issued in Public Interest शुक्रवार, 24 दिसम्बर 2021

विगत 10-12 सालों मे बिकाजी समूह पर पड़ चुके 2 बार आयकर विभाग के छापे!!

विशेष रिपोर्ट-4

पकड़ी गयी करोड़ो रुपयों की अघोषित आय!!!

16.99 करोड़ की जीएसटी चोरी के मामले मे पकड़े गए मोंटेज कंपनी के धनंजय सिंह ने कबूला बिकाजी समेत कई कंपनियों के नाम!!!

लेकिन इसके बावजूद डीजीजीआई की जांच की चल रही धीमी चाल!!!

बिकाजी और मिराज समूह के रिश्तो का हुआ खुलासा!!!

बिकाजी कर रही मिराज समूह की एक कंपनी के द्वारा अपने सीएसआर फंड का खर्चा!!!

क्या डीजीजीआई करेगी धनंजय सिंह और बिकाजी के व्यापारिक लेनदेनों की गहनता से जांच?

क्या बिकाजी के कर्ता-धर्ता भी आएंगे आदतन आर्थिक अपराधी की श्रेणी मे?

*भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1)(a) के तहत प्रकाशन एवं समस्त प्रकाशन IT Act 2000 के तहत उत्तरदायी सर्वाधिकार@www.jawabdosarkar.com

MIRAJ'S 'MIRAGE' EXPOSED!

WHISTLEBLOWER APPEALS GST TO DELVE DEEPER TILL THE 'ULTIMATE BENEFICIARY'!

DC Jain

Jaipur: The DGGI action against Miraj Group - for GST Tax evasion of a whopping Rs 869 crore - seems to be the start of a 'tumbling', as there are still major questions that remain unanswered. While the DGGI has arrested two men - identified as Vinaykant Ameta and Dhananjay Singh - and the duo have been sent to judicial custody till November 2, sources say there are still 'bigger fish' in the 'puddle' that need be looked out for.

Interestingly, after their arrest, a bail application was moved in the special court for economic offences however the same was rejected by Judge Manoj Nimodiya. Representing the DGGI, advocate BL Takhar had stressed in the court that the duo are accused of a GST theft of serious nature which the court also upheld.

It is this move that, according to sources, is being seen as 'tightening the noose' around the main individuals behind the group, since the arrested duo are merely administrative workers and do not own the company or have any stake in it, which is owned by Madan Paliwal.

Interestingly, the Miraj Group has undertaken a herculean construction project at Nathdwara wherein a 351 feet tall statue of Lord Shiva is being constructed at a cost of whopping 300 crore rupees. Now that the GST theft has been unearthed, the whistleblower in the matter - advocate SK Singh - has questioned if the pious work of construction of Shiva's statue has been funded by the 'black money' amassed from tobacco sale?

"Is this black money also used in other works of public interest and projects in Nathdwara. Who is the ultimate beneficiary in matter?

GST should delve deeper till the real individuals behind this evasion," SK Singh said on Wednesday.

16.99 करोड़ की जीएसटी चोरी के मामले मे पकड़े गए मोंटेज कंपनी के धनंजय सिंह ने कबूला बिकाजी समेत कई कंपनियों के नाम!!!

वस्तु एवं सेवाकर आसूचना महानिदेशालय,जयपुर को मिली सूचना के अनुसार मैसर्स मोंटेज पैकेजिंग सेल्स प्रा.लि द्वारा मैसर्स मिराज प्रोडक्ट्स प्रा.लि. नाथद्वारा को बिना बिल के पैकेजिंग मेटेरियल की सप्लाई की जाती है और इसके लिए मैसर्स मोंटेज पैकेजिंग सेल्स प्रा.लि.,उसी रूट की कोई भी फर्जी फर्म(मैसर्स मोंटेज पैकेजिंग सेल्स प्रा.लि., ने अहमदाबाद और सूरत मे कुछ फर्जी फर्म खोल रखी थी)के नाम से बिल काट देता है और माल मिराज को सप्लाई कर देता है,ताकि वह रास्ते मे माल ट्रांसपोर्ट के दौरान जीएसटी विभाग से बच सके|

इस पूरे मामले मे डीजीजीआई द्वारा मिराज समूह द्वारा की जा रही 869 करोड़ की जीएसटी कर की चोरी पकड़ी गयी साथ ही इस मामले मे डीजीजीआई द्वारा 16.99 करोड़ की जीएसटी चोरी का मामला मैसर्स मोंटेज पैकेजिंग सेल्स प्रा.लि के डायरेक्टर धनंजय सिंह के विरुद्ध पृथक से बनाया गया|

इस मामले मे डीजीजीआई की गिरफ्त मे आए मैसर्स मोंटेज पैकेजिंग सेल्स प्रा.लि के डायरेक्टर धन्जय सिंह द्वारा अपने बयान मे यह स्वीकार किया कि उसने अपने नाम से बनाई गयी 7 फ़र्मों को बिना माल की सप्लाई के केवल जीएसटी बिल भेजे है तथा उक्त जीएसटी इन्वोईस मे दर्ज वस्तुओं की ACTUAL DELIVERY अन्य फ़र्मों को दी है,जिनमे मै॰ मिराज ग्रुप, मै॰बिकाजी ग्रुप, मै॰शिवदीप इंडस्ट्रीज के अलावा 5 नाम और कंपनियों के नाम सामने आए है|

क्या है बिकाजी और मोंटेज कंपनी का कनैक्शन?

मोंटेज ग्रुप का दावा है कि वह देश की टॉप मोस्ट कंपनियों को बेस्ट फ्लेक्जिबल्स/पेकिंग मेटेरियल सप्लाई करती है|बिकाजी की वार्षिक रिपोर्ट वर्ष 2019-2020 से भी खुलासा होता है कि बिकाजी द्वारा उसके खाद्य उत्पादो की पेकिंग मे नवाचार किए गए है|रिपोर्ट के अनुसार कंपनी द्वारा वर्ष 2020 मे पेकिंग मेटेरियल पर 1704 लाख यानि की 17 करोड़ रुपए खर्च किए है|मोंटेज समूह की ही एक कंपनी मोंटेज पैकेजिंग सेल्स प्रा.लि के निदेशक धनंजय सिंह द्वारा अपने बयानो मे स्वीकार किया गया है कि उसने अपने नाम से बनाई गयी 7 फ़र्मों को बिना माल की सप्लाई के केवल जीएसटी बिल भेजे है तथा उक्त जीएसटी इन्वोईस मे दर्ज वस्तुओं की ACTUAL DELIVERY अन्य फ़र्मों को दी है,जो कि मै॰ मिराज ग्रुप, मै॰ आधार प्रोडक्ट्स, मै॰बिकाजी ग्रुप, मै॰शिवदीप इंडस्ट्रीज, मै॰ एमामी, मै॰श्री राम पापड़, मै॰जालानी एंटरप्राईजेज़ तथा बालाजी एंटरप्राईजेज़ है|

ऐसे मे यदि डीजीजीआई द्वारा गहनता से जांच की जाए तो इस बात का खुलासा हो सकता है कि आज तक बिकाजी द्वारा मोंटेज समूह के साथ मिल कर कितने करोड़ो रुपयों के जीएसटी चोरी की गयी है|

Note 10: Inventories ^

(₹ in lakhs)

Particulars	As at March 31, 2020	As at March 31, 2019
Raw materials (at cost)	1,293.17	1,085.95
Packing materials (at cost)	1,704.34	2,001.80
Finished goods (at lower of cost or net realisable value) #	536.28	670.04
Stores and spares (at cost)	114.78	74.90
Total	**3,648.57**	**3,832.69**

During the year ended March 31, 2020, ₹11.17 lakhs (Previous year: ₹9.32 lakhs) was recognised as an expense for writing down the value of slow moving and non-moving inventories.

^ Refer note 20 for information related to inventories hypothecated by the Company against cash credit facility.

Finished goods include stock in transit - Nil (Previous year: ₹243.05 lakhs).

बिकाजी कंपनी द्वारा अपनी वार्षिक रिपोर्ट मे प्रकाशित की गयी पेकेजिंग मेटेरियल मद की जानकारी|

विगत 10-12 सालों मे बिकाजी समूह पर पड़ चुके 2 बार आयकर विभाग के छापे!!

23/21, 4:52 PM I-T raids on Bikaji: Rs 10.5- cr properties seized - Times of India

Printed from
THE TIMES OF INDIA

I-T raids on Bikaji: Rs 10.5- cr properties seized

TNN | Oct 7, 2010, 12.36 AM IST

BIKANER: Income-tax sleuths have seized undisclosed properties worth over Rs 10.5 crore from various locations belonging to the famous Bikaji Bhujia group after two days of search in Mumbai and Bikaner.

"It is the biggest ever declaration of black money in Bikaner in which the department has earned revenue worth approximately Rs 3.25 crore," said director general, I-T, Poonam Chand Saxena. The raids were conducted under leadership of Narendra Singh Jangpagi, assistant director (investigation).

Jangpagi told TOI that during investigation, they seized cash worth Rs 3 crore, jewellery worth Rs 96 lakh and other properties. He said no bank FDRs have been recovered from the party. He said the Bikaji Group has admitted to the value of the seized goods and cash and agreed to pay the income-tax.

The department raided the residence, offices, factories and other places owned or associated with the group on Monday. The raids continued till late on Tuesday. During the operation, officers have seized cash, jewellery, and other important documents in Bikaner.

According to sources, the recent investments by the group in real estate in the Thane area of Mumbai caught the eye of the IT department. Following which, raids were conducted in several places in Mumbai and Bikaner.

Sources added the department has seized documents related to property investments, along with cash worth Rs 97 lakh from a bank locker in Mumbai.

जैसे-जैसे हमारे द्वारा बिकाजी समूह मे चल रहे गौरख धंधो को उजागर किया जा रहा है कंपनी के नित नए कारनामे सामने आते जा रहे है|

Hindustan Times ST (Jaipur)

I-T teams raid properties of Bikaner food giant, associate firms

Income Tax · Fraud · Taxes
26 Feb 2016 HT Correspondent
htraj@hindustantimes.com

BIKANER: The Income Tax (I-T) department on Thursday conducted raids on the Bikaji Foods International Ltd and its associate companies in Bikaner and Mumbai.

The I-T department also raided bhujia and confectionery maker Bhikharam Chandmal, Nagad Narayan Food Products among others.

According to I-T sources, several teams comprising more than 150 personnel including officers took part in the raids. The Bikaner Police assigned about 50 personnel to help the teams.

"We have received a letter form the income tax department to provide police staff for the protection during raids," said Additional Superintendent of Police (City) Bhavani Shankar Meena.

The department officials refused to comment about the outcome of the raids as the investigation of documents and books was still under examination.

SEVERAL INCOME TAX

अँग्रेजी अखबार टाइम्स ऑफ इंडिया मे दिनांक 0 7 अक्टूबर 2010 को प्रकाशित खबर के अनुसार बिकाजी समूह के मुंबई और बीकानेर स्थित आवास,कार्यालयों पर मारे गए छापो के दौरान 10.5 करोड़ की बिना हिसाब-किताब की संपत्ति जब्त की गयी थी|इस रेड मे विभाग को 3 करोड़ केश,96 लाख के जवाहरात और ज़मीनों के दस्तावेज़ मिले थे|इन छापो से विभाग को 3.25 करोड़ के राजस्व की प्राप्ति हुई थी|

अखबार के अनुसार विभाग को बिकाजी समूह द्वारा मुंबई के थाने क्षेत्र मे किए गए रियल स्टेट प्रोजेक्ट मे भारी निवेश की जानकारी मिली थी उसके बाद ही इस बड़ी कार्यवाही को अंजाम दिया गया था|सूत्रों के अनुसार विभाग द्वारा समूह के मुंबई के एक लॉकर से 97 लाख रुपए नकद भी जब्त किए गए थे|सूत्रों के अनुसार समूह द्वारा इस बड़ी जब्ती को अपना बताते हुए इन्कम टेक्स देना स्वीकार कर लिया गया था|

इसी प्रकार वर्ष 2016 मे आयकर विभाग द्वारा पुनः समूह के विभिन्न ठिकानों पर छापे मारे गए थे|आयकर टीम ने बीकाजी फूड प्रोडक्ट, हल्दीराम भुजियावाला, भीखाराम चांदमल पर छापे मारे थे| विभाग द्वारा इन सभी बड़े प्रतिष्ठानों से दस्तावेज ले लिए गए और उनकी जांच शुरू कर दी गई|आयकर विभाग की इस कार्यवाही मे कितने करोड़ो की बेनामी संपत्ति का खुलासा हुआ यह आयकर विभाग की फाइलों मे दफन होकर रह गया|सूत्रों के अनुसार इस मामले मे अभी तक कार्यवाही लंबित है|

बीकानेर में आयकर विभाग की सबसे बड़ी कार्यवाही, दो बड़े प्रतिष्ठानों पर भी हुई कार्यवाही,एक साथ 40 प्रतिष्ठानों पर मारे छापे -पिछले लम्बे समय से मिल रही थी शिकायतें

बीकानेर । आय से कम रिर्टन जमा करवा कर करोड़ों रूपये आयकर चोरी की संभावना के चलते आयकर विभाग की कई टीमों ने आज एक साथ बीकानेर शहर में अब तक की सबसे बड़ी कार्यवाही करते हुए 40 प्रतिष्ठानों पर छापे मारे हैं। सुबह 11 बजे इन टीमों ने सबसे पहले बड़े प्रतिष्ठानों पर कार्यवाही शुरू की, आयकर के करीब डेढ सौ अधिकारियों द्वारा अलग अलग टीमें गठित कर छापामार अंदाज में की गई सर्वे कार्यवाही से यहां व्यवसाय जगत में हड़कंप सा मच गया। । इसके बाद कई अन्य प्रतिष्ठानों पर छापे की कार्यवाही शुरू हुई तो इसकी सूचना अन्य व्यापारियों व दुकानदारों को लग गई। कई दुकानदार तो दुकानें बंद कर चले गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार आयकर विभाग ने छापे की कार्यवाही करने से पहले अन्य जिलों से भी आयकर अधिकारियों की टीमें गठित की और इसके बाद एक साथ इस कार्यवाही को अंजाम दिया। इस दौरान पुलिस का भी विशेष प्रबंध किया गया है। समाचार लिखे जाने तक विवाद की यह कार्यवाही जारी थी। आयकर टीम ने बीकाजी फूड प्रोडक्ट, हल्दीराम भुजियावाला, भीखाराम चांदमल पर छापा मारा। यहां इन सभी बड़े प्रतिष्ठानों से दस्तावेज ले लिए गए और उनकी जांच शुरू कर दी गई। मीडिया कर्मियों को भी इन प्रतिष्ठानों के अंदर आने नहीं दिया। क्योंकि बाहर ही पुलिस तैनात कर दी गई थी। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इन प्रतिष्ठानों के खिलाफ पिछले लम्बे समय से आयकर विभाग को शिकायत मिल रही थी। उसी के तहत छापे की कार्यवाही शुरू की गई है। देर रात तक यह कार्यवाही चलने की संभावना है। अभी दस्तावेजों को खंगाला जा रहा है। सूत्रों ने बताया कि इन प्रतिष्ठानों से करोड़ों की सम्पत्ति उजागर होने की संभावना है। बीकानेर में कई अन्य भुजिया निर्माता और रसगुल्ले आदि निर्माण करने वाले प्रतिष्ठानों पर भी छापे की कार्यवाही की गई है।

जिन फर्मो के ठिकानों पर आयकर सर्वे चल रहे उनमें बीकाजी ग्रुप,भीखाराम-चांदमल,नगद नारायण ग्रुप,मोदी डेयरी ग्रुप भी शामिल है। विभागीय सूत्रों के मुताबिक बीकानेर में आयकर निरीक्षकों ने ऐसी डेढ सौ से ज्यादा फर्मो पर निगरानी रखने के बाद चिन्हित किया था जो आय से कई गुना कम रिर्टन भर कर सालाना करोड़ो का आयकर चोरी में लिप्त है। बताया जाता है कि सर्वे कार्यवाही से पहले आयकर निरीक्षकों ने इन फ़र्मों के आय संबंधी रिकॉर्ड खंगाले हैं जिनमें गड़बड़ी नजर आने के बाद इन फर्मो पर बुधवार को एक साथ सर्वे कार्यवाही की गई है

दिनांक 24 फरवरी,2016 को न्यूज़ पोर्टल omexpress.in पर प्रकाशित खबर से साभार

बिकाजी और मिराज समूह के रिश्तो का हुआ खुलासा!!!

बिकाजी की वार्षिक रिपोर्ट वर्ष 2019-2020 मे बताया गया है कि बिकाजी द्वारा उसकी सीएसआर एक्टिविटी के तहत मिराज समूह द्वारा बनाई गयी 351 फीट की शिव प्रतिमा के कार्य मे 20 लाख रुपए मिराज समूह की कंपनी ततपदम उपवन को प्रदान किए गए थे|

इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि हम जिस संगठित सिंडीकेट की बात कर रहे है,वह काफी हद तक सही है|

ततपदम उपवन को किए गए भुगतान की जानकारी

Details of amount spent in CSR activities

Sr. No	CSR project or activity identified	Sector in which the Project is Covered	Projects or programs (1) Local area or other (2) Specify the State and district where projects or programs was undertaken	Amount outlay (budget) project or programs wise (₹)	Amount spent on the projects or programs Sub-heads: (1) Direct expenditure on projects or programs (2) Overheads (₹)	Cumulative expenditure upto to the reporting period (₹)	Amount spent: Direct or through implementing agency
1	Protection of Art & Culture	Protection and Development of Art and Culture of India	Nathdwara, Rajasthan	20,00,000	1. 20,00,000 2. Nil	20,00,000	Through Implementing Agency – TatpadamUpvan
2	Educational support and facilities	Promoting Education for Poor & underprivileged children	Guwahati	5,00,000	1. 5,00,000 2. NIL	5,00,000	Through Implementing Agency – Gyan Jyoti Education Foundation
3	Educational support and facilities	Promoting Education for Poor & underprivileged children	Narmada Gujarat	5,00,000	1. 5,00,000 2. NIL	5,00,000	Through Implementing Agency – Shri Swaminarayan Gurukul
4	Educational support and facilities	Promoting Education, Gender Equality, Protection of Human Rights	New Delhi	25,00,000	1. 25,00,000 2. Nil	25,00,000	Through Implementing Agency – Tathastu Bhava
5	Promoting Education, Health care & Environment Sustainability	Promoting Education & Community Welfare	Local Bikaner	31,50,000 0	1. 31,50,0,000 2. Nil	31,50,000 0	Through Implementing Agency – Bhanwari Devi Pandit Shatkopacharya
6	Rural Development Project	Clean India Mission Programme, Education & Health	Bikaner & Shri Ganganagar Rajasthan)	20,00,000	1. 20,00,000 2. NIL	20,00,000	Through Implementing Agency – S Mohan Singh Saini Charitable trust
7	Educational support and facilities	Promoting Education for Poor & underprivileged children	Surendra nagar (Gujarat)	10,00,000	1. 10,00,000 2. NIL	10,00,000	Through Implementing Agency – Shri Jagat Bharti Education Charitable Trust
8	Rural Development Project	Clean India Mission Programme, Education & Health.	Shri Ganganagar Rajasthan	20,00,000	1. 20,00,000 2. NIL	20,00,000	Through Implementing Agency – Govindam Seva Society
9	Social Awareness Related	Social Welfare & Awareness	Shri Ganganagar Rajasthan	20,00,000	1. 20,00,000 2. NIL	20,00,000	Through Implementing Agency – Shree Balaji Charitable Trust
10	Rural Development	Clean India Mission Programme,	Shri Ganganagar Rajasthan	25,00,000	1. 25,00,000 2. NIL	25,00,000	Through Implementing Agency –

जीएसटी चोरी करने वालों का बड़ा सिंडीकेट,लेकिन इसके बावजूद डीजीजीआई की जांच की चल रही धीमी चाल!!!

डीजीजीआई द्वारा मिराज समूह द्वारा की जा रही 869 करोड़ की जीएसटी चोरी के मामले मे बड़े बड़े समूहो के नाम उजागर हुए है|लेकिन इसके बावजूद डीजीजीआई के अधिकारी पूरे मामले मे हाथ पर हाथ धरे बैठे है|डीजीजीआई की अभी तक की कार्यवाही से प्रतीत होता है कि डीजीजीआई के अधिकारी अपनी जांच का दायरा बढ़ाने की बजाय इस मामले की इतिश्री करने की फिराक मे है|

बहरहाल डीजीजीआई की इस बड़ी कार्यवाही से यह तो साफ होता है कि देश विदेश के बड़े बड़े व्यापारिक समूह भी अब जीएसटी की चोरी कर सफेदपोश माफिया बन बैठे है और इन लोगो का एक पूरा सिंडीकेट कर चोरी के बड़े मामले को अंजाम दे रहा है जिससे ना केवल हमारी अर्थ व्यवस्था को खतरा उत्पन्न हो रहा है बल्कि काले धन की समानान्तर व्यवस्था भी देश मे संचालित हो रही है,कहीं ना कहीं जिसके तार देश के दुश्मनों से भी जुड़े हुए है|क्यूंकि काले धन की व्यवस्था मे रुपयो-पैसो का लेन-देन हवाला,शैल कंपनियो के जरिये किया जाता है|

जवाब मांगते सवाल?

1. आज तक बिकाजी समूह पर आयकर विभाग के कितने छापे पड़ चुके है?इन छापो मे कितने करोड़ की अघोषित आय का खुलासा किया गया है?

2. वर्ष 2010 मे बिकाजी समूह पर मारे गए आयकर विभाग के छापो के दौरान विभाग को बिकाजी समूह द्वारा मुंबई के थाने क्षेत्र मे किए गए रियल स्टेट प्रोजेक्ट मे भारी निवेश की जानकारी मिली थी|क्या था यह मामला?किसके साथ किया जा रहा था बिकाजी समूह द्वारा रियल स्टेट मे यह भारी निवेश?

3. वर्ष 2016 मे बिकाजी समूह पर मारे गए आयकर विभाग के छापो मे बिकाजी समूह की कितनी अघोषित आय/सम्पत्तियों का खुलासा किया गया था?

4. यदि इन छापो मे अघोषित नकद राशि भी पकड़ी गयी है तो क्या आयकर विभाग द्वारा प्रवर्तन निदेशालय को इस अघोषित नकद राशि के मामले को मनी लोंडरींग के तहत कार्यवाही करने हेतु अग्रेषित किया गया था या फिर इन मामलो को वही रफा-दफा कर दिया गया?

5. मोंटेज ग्रुप द्वारा विगत 5 सालों मे कितने करोड़ का सालाना पेकेजिंग मेटरियल बिकाजी को सप्लाई किया गया है?

6. डीजीजीआई की गिरफ्त मे आए मैसर्स मोंटेज पैकेजिंग सेल्स प्रा.लि के डायरेक्टर धनंजय सिंह द्वारा अपने बयान मे बिकाजी समूह का भी नाम लिया गया है, तो क्या डीजीजीआई द्वारा बिकाजी के कर्ता-धर्ताओं से इस मामले मे पूछताछ की गयी है?

7. यदि बिकाजी द्वारा बिना बिल के पेकेजिंग मेटेरियल की सप्लाई मोंटेज कंपनी से प्राप्त किया गया है तो क्या बिकाजी द्वारा इन पेकेजिंग मेटेरियल मे बना तैयार माल बिना बिल के नहीं बेचा होगा?

8. क्या इस नकद बिक्री का हिसाब किताब मनी लोंडरिंग नहीं कहलायेगा?क्या ईडी इस मामले मे हस्तक्षेप कर जांच करेगी?

9. क्या डीजीजीआई द्वारा बिकाजी को क्लीन चिट दे दी गयी है?

10. क्या डीजीजीआई करेगी जीएसटी चोरी करने वाले बड़े व्यापारिक समूहो के सिंडीकेट का खुलासा?

11. क्या बिकाजी के कर्ता-धर्ता भी आएंगे आदतन आर्थिक अपराधी की श्रेणी मे?